तीसरी इकाई

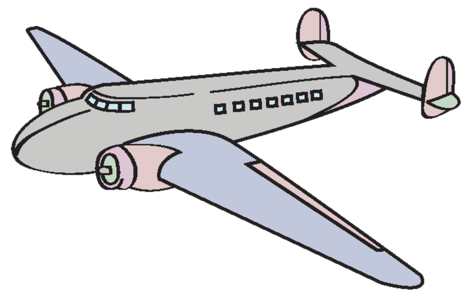

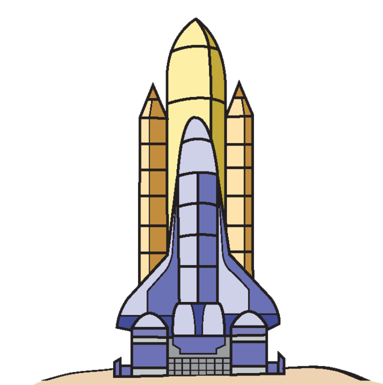

CGZFDW

गीत – पढ़ो और गाओ :

२. बेमिसाल

– डॉ. शेरजंग गर्ग

जो कुछ भी हो बेमिसाल हो,
सुलझा-सुलझा हर सवाल हो,
नया रंग हो, नया हाल हो,
नए साल में यह कमाल हो ।

सच्चे जीतें, झूठे हारें,
देश-जाति का रूप निखारें,
सबका स्वागत करें बहारें,
केवल अच्छी बात विचारें ।

जो कुछ भी हो बेमिसाल हो,
नए साल में यह कमाल हो ।

पर क्या होगा, कहना मुश्किल,
मिल पाएगी कैसे मंजिल,
टूटेगा या खुश होगा दिल,
फिर भी सोचें-चाहें हिलमिल ।

जो कुछ भी हो बेमिसाल हो,
नए साल में यह कमाल हो ।

१. सुनो और श्रुतलेखन करो :

(१) सवाल - हाल - कमाल

(२) हारें - निखारें - बहारें - विचारें

२. सुनो और दोहराओ :

(१) बेटा-बेटी एक समान ।

(२) लालच बुरी बला है ।

(३) सुंदर अक्षर एक अलंकार है ।

(४) जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान ।

३. सही शब्द चुनकर वाक्य पढ़ो :

(१) यह / ये चट्टान है । ....

(२) वह / वे खड़ा है । ....

(३) यह / ये कमीजें हैं । ....

(४) वह / वे लड़कियाँ हैं । ....

४. उचित शब्द बनाकर लिखो :

(१) स आ न मा = ...

(२) गि ब या = ...

(३) त या ता या = ...

(४) ग ब द र = ...

५. नया साल कब मनाते हो, बताओ ।

PDLA3S

लेखन – देखो, समझो और लिखो :

३. ऊँट

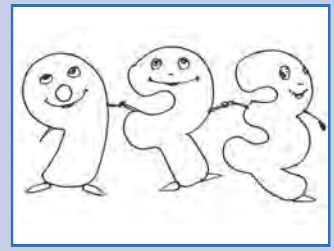

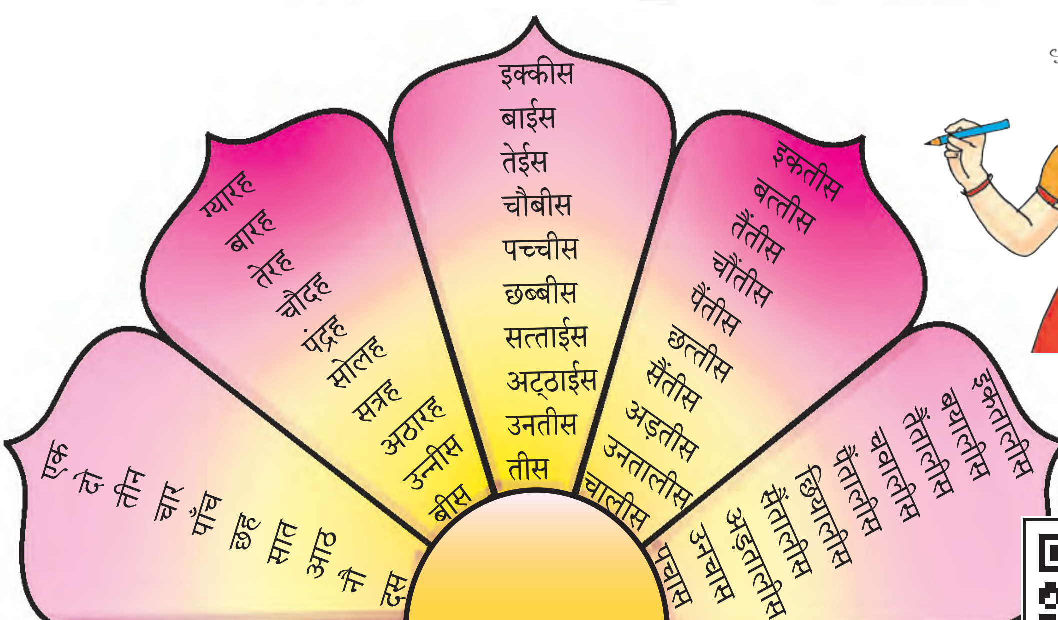

HZRZPI

पहेली – पढ़ो और बताओ :

४. मैं कौन?

वर्षा में या धूप में,
आऊँ सबके काम,
मुझको सिर पर तानते,
बूझो मेरा नाम ।

बाहर से साधु जैसी,
जटाधारी काया,
देह भले ही सख्त,
भीतर कोमल मन है पाया ।

सब लोगों का साथ सच्चा,
पूरे घर की करता रक्षा,
नाम है क्या मेरा तुम बोलो,
घर आओ तब मुझको खोलो ।

खुली रात में पैदा होती,
हरी घास पर सोती,
मोती जैसी मूरत मेरी,
बादल की मैं पोती ।

छह अक्षर का मेरा नाम,
आता हूँ खाने में काम,
आधा मैं फूलों में रहता,
आधा मेरा फलों का नाम ।

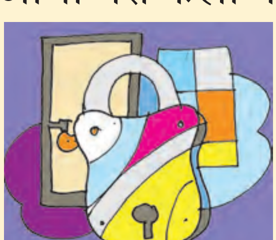

रंग-बिरंगी पोशाकोंवाली,
फूल-फूल पर उड़ने वाली,
सब के मन को भाने वाली,
उड़ान है उसकी बड़ी निराली ।

चित्र निरीक्षण – देखो, समझो और बताओ :

५. दादी अम्मा की रसोई

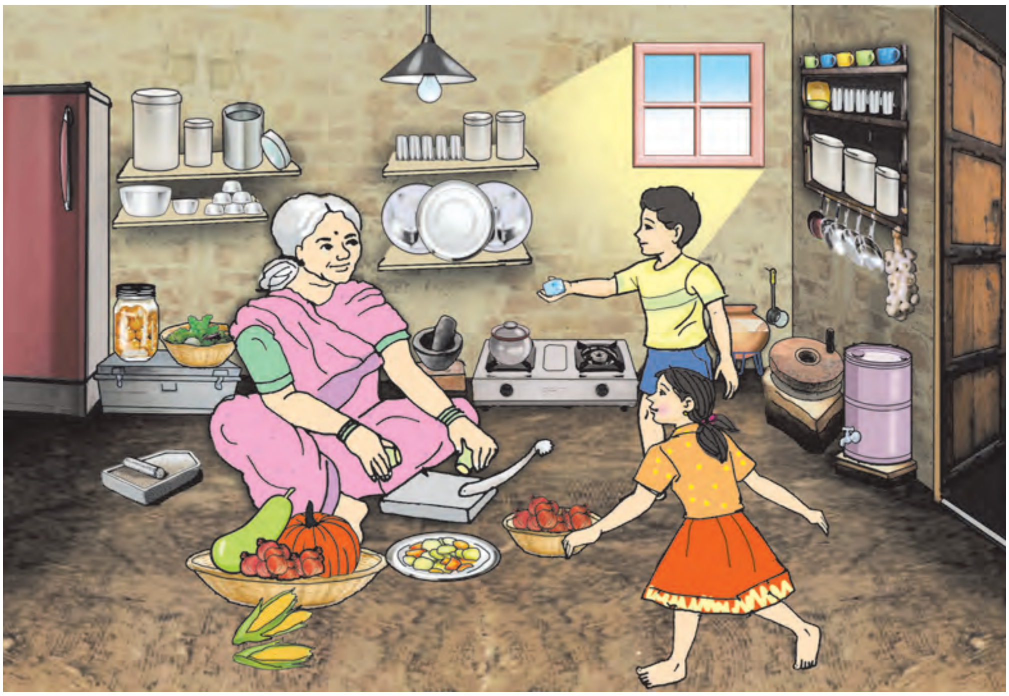

अम्मा : विट्ठल, मुस्कान आ गए तुम दोनों ?

मुस्कान : हाँ अम्मा ! प्रवीण और हर्ष भी हमारे साथ थे ।

विट्ठल : आज इफ्तिखार और अश्विन के साथ कबड्डी में आनंद आया ।

अम्मा : अच्छा ! मैं सब्जी काट रही हूँ । खाना बनाने में थोड़ा समय लगेगा ।

विट्ठल : जी अम्मा, तब तक हमें भुट्टा और डिब्बे में रखे लड्डू दे दो ।

अम्मा : हाँ ! ले लो न ! मैं चूल्हे पर कद्दू की सब्जी और भाकरी बनाती हूँ ।

मुस्कान : मुझे चटनी भी चाहिए, अम्मा ।

अम्मा : मुस्कान, सिलबट्टे पर चटनी कल बनाऊँगी ।

विट्ठल : मैंने ड्रम के पास रखे घड़े से पानी ले लिया ।

अम्मा : मुस्कान, घड़े का ढक्कन ठीक से रखना ।
बच्चो, भरपेट खाना खाकर अपनी पढ़ाई करो ।

स्वाध्याय

१. सुनो समझो और दोहराओ :

कद्दू	चूल्हा	भुट्टा	ड्रम	बर्फ	मुस्कान
लड्डू	चम्मच	फ्रिज	प्याज	गुफ्ती	विट्ठल
हर्ष	ढक्कन	पत्ते	प्रवीण	सब्जी	ट्रंक

२. पढ़ो और समझो :

(१) खुले में रखे खाद्य पदार्थ न खाएँ ।

(२) तली हुई चीजों का अधिक सेवन न करें ।

(३) सदैव स्वच्छ एवं भरपूर पानी पीएँ ।

(४) प्रतिदिन व्यायाम करें ।

३. संजाल पूर्ण करो :

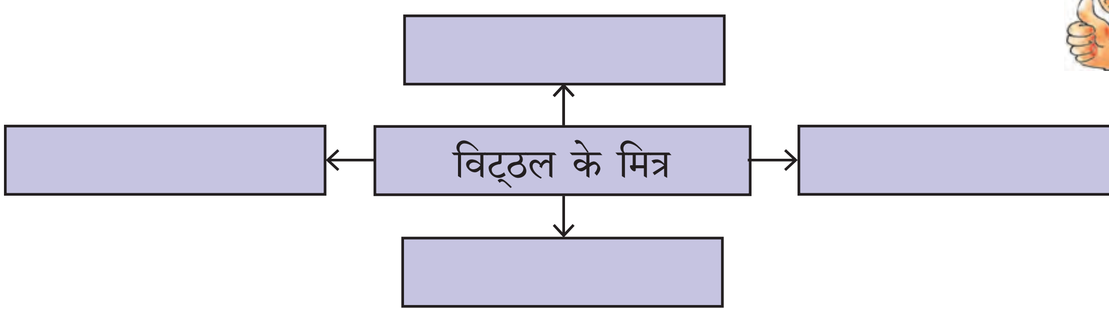

४. उत्तर लिखो :

(१) कल सिलबट्टे पर बनेगी – ______

(२) बच्चों ने खाने के लिए माँगा – ______

५. तुम अपने घर के कामों में सहायता करते हो, चर्चा करो ।

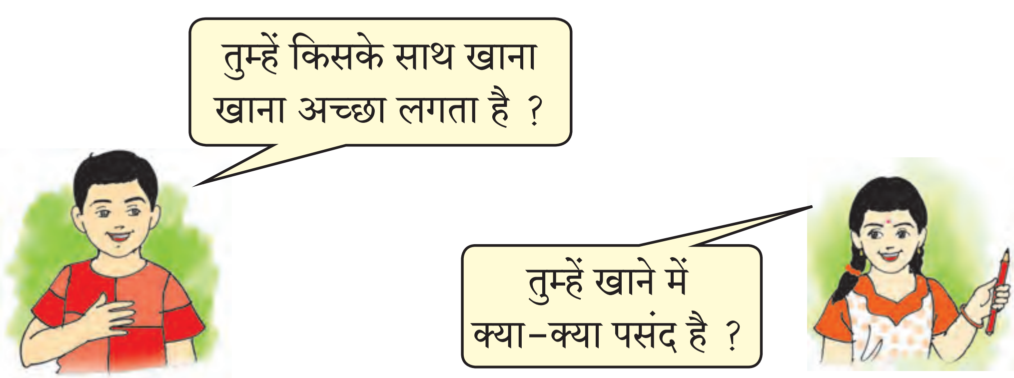

6465ZM

निबंध – पढ़ो और समझो :

६. बरगद

– तेजल

बरगद एक विशाल वृक्ष है । इसका तना सीधा एवं कठोर होता है । इसकी शाखाओं से जटाएँ निकलकर हवा में लटकती हैं । इनको बरोह भी कहते हैं । इसकी पत्तियाँ दस से बीस सेंटीमीटर लंबी होती हैं । इसके पत्तों को तोड़ने पर सफेद और गाढ़ा दूध निकलता है । पत्तियाँ चौड़ी और लगभग अंडाकार होती हैं । इसका फल छोटा गोलाकार एवं लाल रंग का होता है । इसके अंदर बीज पाया जाता है । बरगद की जड़, जटा, छाल, पत्ता, फूल और फल सभी का उपयोग कर सकते हैं । इस पेड़ के सभी हिस्से औषधि गुण से भरपूर होते हैं । इसे सदाबहार वृक्षों की श्रेणी में रखा जाता है । यह पेड़ सैकड़ों वर्षों तक जीवित रहता है । इसकी ऊँचाई लगभग इक्कीस मीटर लंबी हो सकती है ।

भारतीय समाज में बरगद के पेड़ को अमरता का वृक्ष कहा जाता है । इसके जीवन को बढ़ाने वाली जड़ें बहुत लंबी होती हैं और वे इसकी शाखाओं को भी सहारा देती हैं । आयुर्वेद में बहुत-सी बीमारियों के उपचार के लिए बरगद के पेड़ का उपयोग होता है । पोषक तत्वों की भरपूर मात्रा होने के कारण बरगद के पेड़ से हमें स्वास्थ्य लाभ होता है । इसकी विशाल छाया में सैकड़ो मनुष्य और पशु-पक्षी भी विश्राम करते हैं । बरगद हमारा राष्ट्रीय वृक्ष है । इसे बर, वड, बट, वट आदि नामों से भी जाना जाता है । हमें बरगद का रोपण और रक्षण करना चाहिए ।

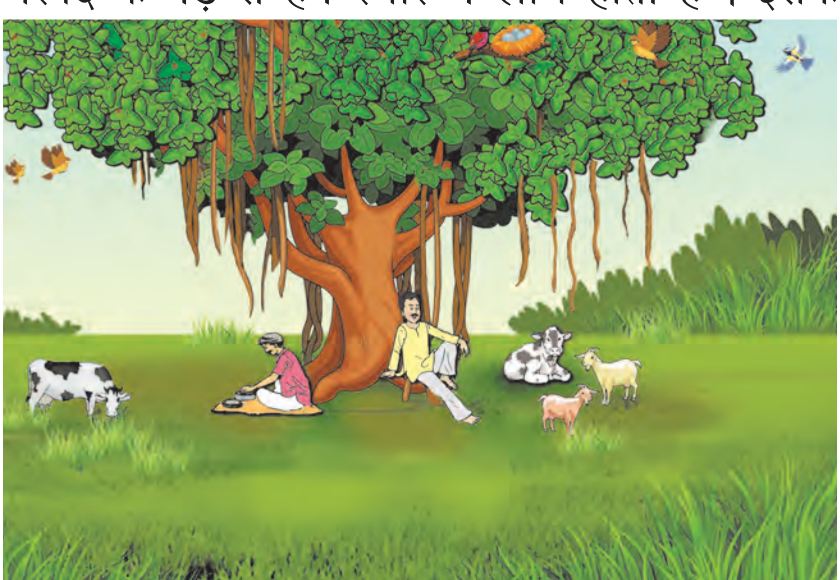

स्वाध्याय

१. सुनो और समझो :

नीम	बबूल	पलाश	जामुन	नारियल
सुपारी	कदंब	बादाम	पीपल	गुलमोहर
अशोक	इमली	तुलसी	मोगरा	अडुळसा

२. पेड़ के अंगों के नाम बताओ :

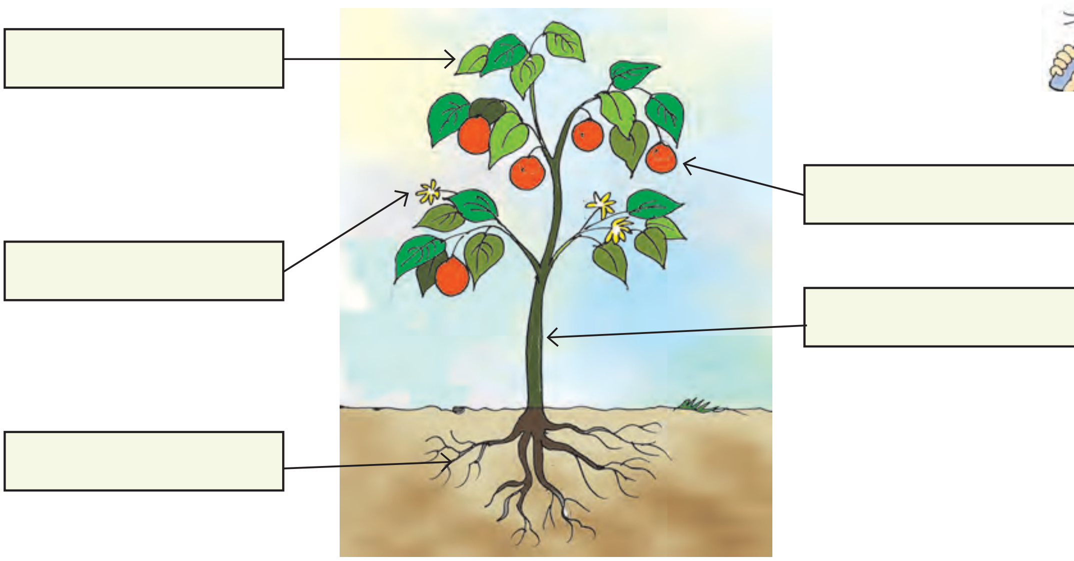

३. आकृति में लिखो :

बरगद के अन्य नाम

४. पेड़ का महत्व पढ़ो ।

५. किसी भी पेड़ से संबंधित दो पंक्तियाँ सुनाओ और लिखो :

....

....

UWDUEE

जातक कथा – सुनो, समझो और पढ़ो :

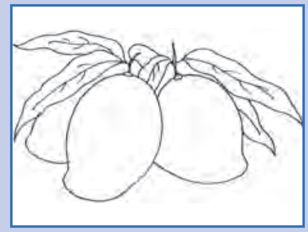

७. परोपकार का फल

– अरविंद

एक राजा था । वह बड़ा ही न्यायप्रिय और दानी था । उसके कार्यों की चर्चा दूर-दूर तक थी । वह गुणी लोगों का आदर करता था ।

एक दिन राजा अपने विद्वान मंत्री के साथ जनता का हाल-चाल जानने निकला । उसने एक बूढ़े आदमी को आम का पौधा लगाते देखा । राजा जानता था कि यह आम का पौधा लगभग दस वर्षों के बाद फल देगा । कौतूहलवश उस व्यक्ति के पास जाकर राजा ने कहा, ''बाबा ! यह तो आम का पौधा है । इसमें फल आने तक क्या आप जीवित रहेंगे ?''

राजा की बात सुनकर बूढ़ा आदमी मुस्कुरा दिया । बड़ी सादगी के साथ उसने उत्तर दिया, ''मैं अब तक दूसरों के लगाए पेड़ के मीठे फल खाता रहा । अब मेरी बारी है । मुझे भी दूसरों के लिए पेड़ लगाने चाहिए । सिर्फ अपने खाने के लिए पेड़ लगाना ठीक नहीं । हमें दूसरों के बारे में भी सोचना चाहिए ।''

बूढ़े आदमी के उत्तर से राजा बहुत खुश हुआ । उसने तुरंत सोने के दस चमचमाते सिक्के उसे इनाम में दिए । मुस्कुराते हुए बाबा ने कहा, ''देखो न, पेड़ लगाए देर न हुई । इस पेड़ ने तो मुझे अभी फल दे दिया ।''

सच है, परोपकारी व्यक्ति महान होता है । उसे हर जगह यश और सम्मान मिलता है ।

१. सुनो और समझो :

(१) शहर – मुंबई, नागपुर, पुणे, नाशिक ।

(२) पाठशाला – श्यामपट्ट, कक्षा, स्वच्छतागृह, मैदान ।

(३) जंगल – जानवर, पेड़, पक्षी, पहाड़ ।

(४) बरतन – थाली, गिलास, कटोरी, चम्मच ।

२. सही वाक्य बनाकर लिखो :

(१) गुरु जी घर आओ/आइए । ....

(२) तुम मेरे साथ पढ़ो/पढ़िए । ....

(३) आप मुझे पेंसिल दो/दीजिए । ....

(४) हाथ जोड़कर नमस्ते करो/करिए । ....

३. राजा और बूढ़े आदमी के संवाद कक्षा में कहलवाएँ ।

४. पढ़ो और लिखो :

(१) एक अक्षर के शब्द – माँ, ... , ...

(२) दो अक्षर के शब्द – बेटा, ... , ...

(३) तीन अक्षर के शब्द – भारत, ... , ...

५. आकृति में लिखो :

[ ] ← राजा की विशेषताएँ → [ ]

7SZP4A

लोरी – पढ़ो और गाओ :

८. सो जा, सो जा नन्ही मुनिया

– सूर्यकुमार पांडेय

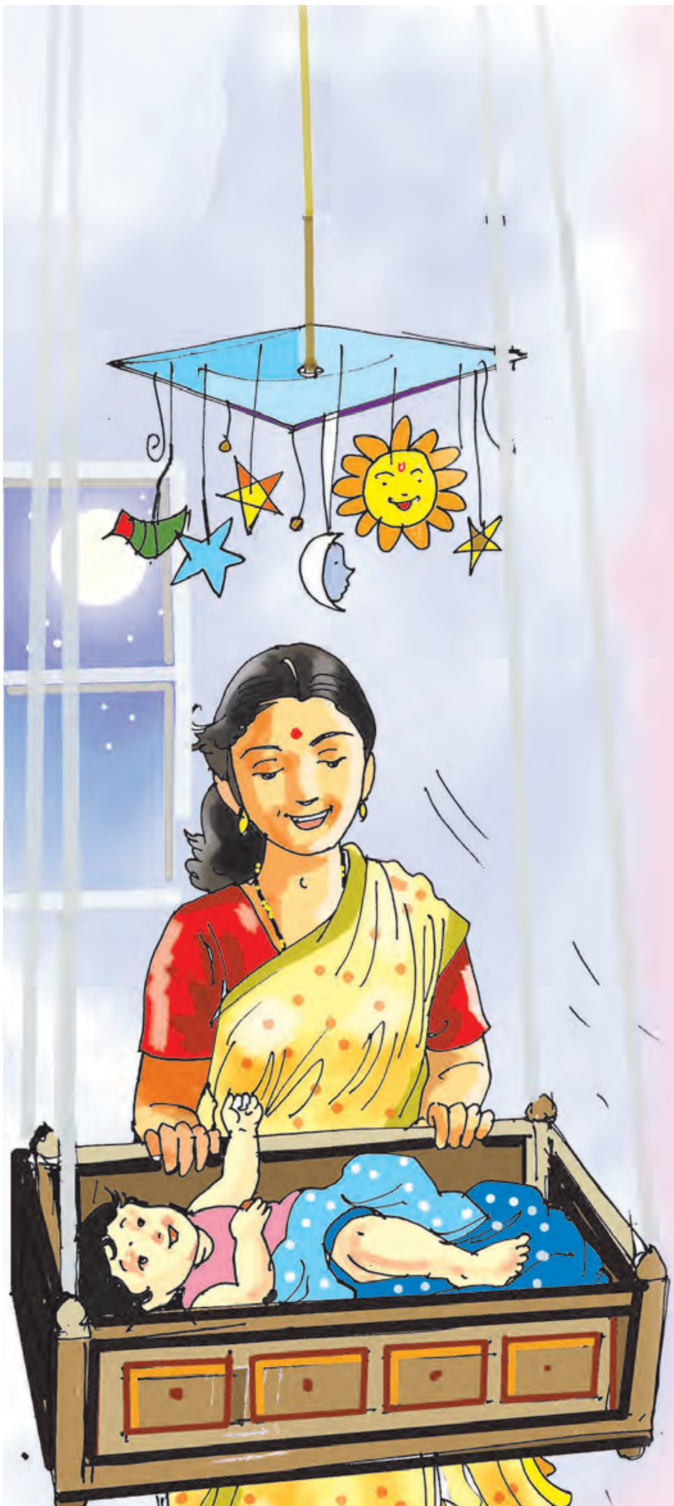

नयनों में सपनों की परियाँ,
हर पल करें बसेरा ।
सो जा, सो जा नन्ही मुनिया,
प्यारा बचपन तेरा ।

तेरी पलकों पर खुशियों के,
फूल हजारों डोलें ।
कदम-कदम पर मिले सफलता,
अपनी बाँहें खोले ।

तुझको देख लौट आता है,
फिर से बचपन मेरा ।
सो जा, सो जा नन्ही मुनिया,
प्यारा बचपन तेरा ।

इस दुनिया के सुख-दुख से,
अनजानी तेरी बातें ।
तू खुश है, तो ममता खुश है,
दिन खुश है, खुश हैं रातें ।

शाम सुनाए लोरी तुझको,
गाए गीत सवेरा ।
सो जा, सो जा नन्ही मुनिया,
प्यारा बचपन तेरा ।

१. सुनो, समझो और दोहराओ :

क्ष	त्र	ज्ञ	श्र
क्षमा अक्षय	त्रिवेणी मित्र	ज्ञान विज्ञान	श्रवण विश्राम

२. पढ़ो और उनके नाम बताओ :

(१) जादू दिखानेवाला – ....

(२) मूर्तियाँ बनानेवाला – ....

(३) गीत गानेवाला – ....

३. पढ़ो और रंगीन शब्दों को समझो :

(१) मैं दूसरी कक्षा में पढ़ रहा हूँ ।

(२) माँ ने पूछा, ‘‘कहाँ गई थी ?’’
मुनिया ने कहा ‘‘मैं खेलने गई थी ।’’

(३) बिल्ली चूहे की ओर लपकी और वह भाग गया ।

(४) सोनू खेल रही है । उसकी सहेलियाँ बैठी हैं ।

४. एक शब्द में उत्तर लिखो :

(१) गीत गाए – ....

(२) सपनों में आती – ....

५. तुमने देखा हुआ कोई सपना कक्षा में सुनाओ ।

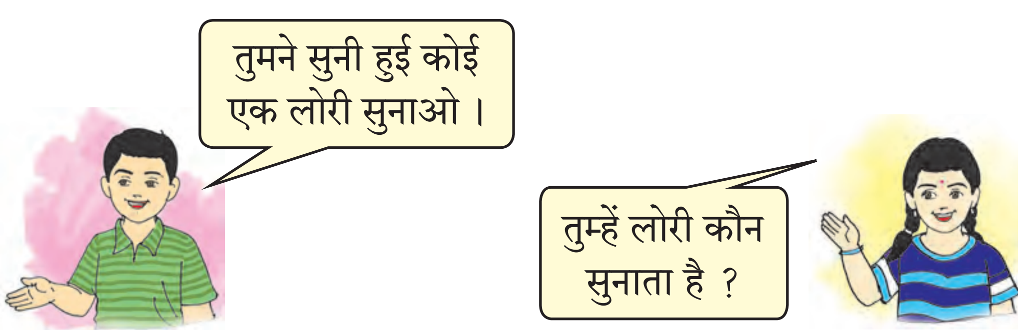

JPLIT6

कृति – देखो, समझो और बनाओ :

९. बधाई पत्र

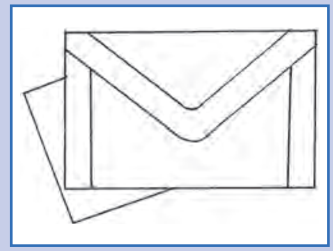

दि.   /   /

प्रिय मित्र / सहेली,

हर्ष / पूनम

तुम्हारे जन्मदिन के अवसर पर

हार्दिक शुभकामनाएँ !

तुम्हारा / तुम्हारी

....

....

....

....

....

....

....

....

१. सुनो, समझो और दोहराओ :

(१) अपना सामान सहेजकर रखो ।

(२) मैदान में ही खेल खेलो ।

(३) कतार से कक्षा में जाओ ।

(४) नियमित पाठशाला जाओ ।

(५) कक्षा में शांति बनाए रखो ।

२. सोचो और बताओ :

आज सोमवार है तो आने वाला कल, परसों, नरसों और बीता हुआ कल, परसों और नरसों दिन के नाम बताओ :

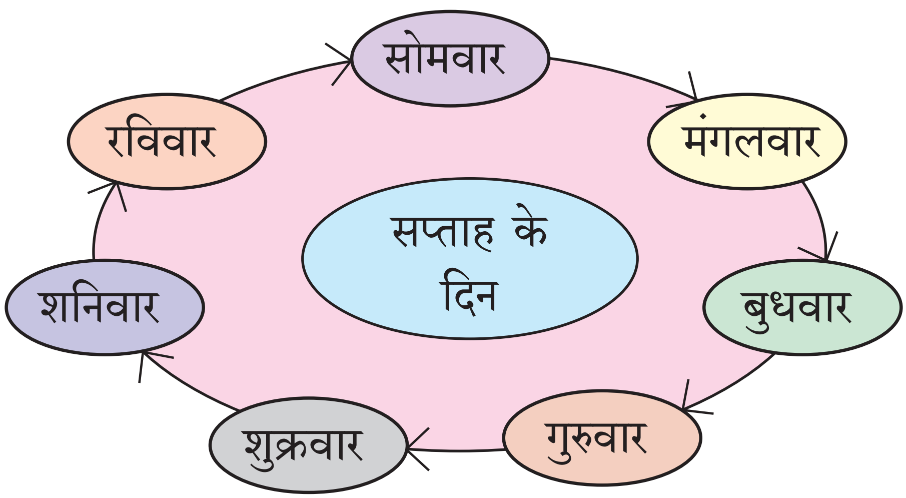

३. उचित वाक्य बनाकर पढ़ो :

यह			(१) ....
वह	परी	है ।	(२) ....
मैं		हैं ।	(३) ....
वे	परियाँ	हूँ ।	(४) ....
हम			(५) ....

४. चित्र देखकर सब्जियों के नाम लिखो
और अपनी पसंद की सब्जी चुनकर उसका रंग बताओ :

....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	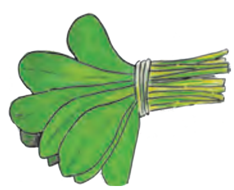	....

५. पढ़ो और अक्षरों में लिखो :

५	१०	१५	२०	२५
......	......	......	......	......
३०	३५	४०	४५	५०
......	......	......	......	......

पूर्वानुभव – देखो, बताओ और जोड़ो :

* मेरा निवास

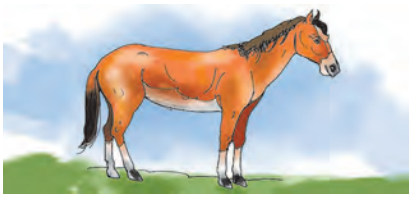

घोड़ा

छत्ता

कुत्ता

घोंसला

चूहा

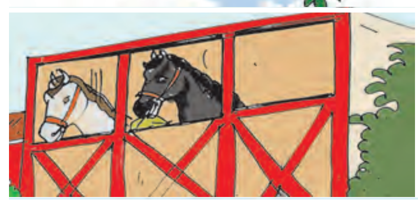

अस्तबल

मधुमक्खी

कैनल

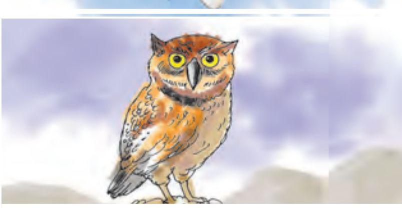

उल्लू

बिल

सिंह

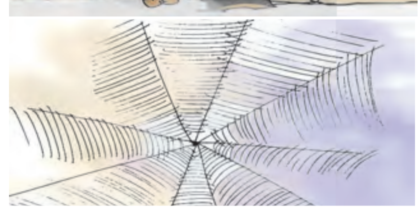

जाला

बुलबुल

कोटर

मकड़ी

गुफा

चित्रवाचन – देखो, समझो और बताओ :

१. सार्वजनिक स्थान

डाकघर : गाँव–गाँव में हमारी सेवा उपलब्ध है ।

बैंक : हम आपकी आवश्यकता समझते हैं ।